

सातारचै शवट्टा प्रतापसेहं यांचे
कायदे.
मुलकी व दिवाणी.



१

कामुक विजया देवी राजवाडे
संप्रियम् अनुभव भवति
याची तु मम अनुभव द्वा उपर्युक्तम्
~~गीद्युष्ट द्वारा दिल्ली~~
~~गीद्युष्ट द्वारा दिल्ली~~
६ कामुक विजया देवी राजवाडे
तज्ज्ञाधीधर तमं दीर्घा अस्ति
मारम्भगतमं दीर्घमुख्यमानमदीम
जीलाधतातादिनर्गमध्यता
दृष्टिलम्भदीर्घमात्रायदीध

of the Rajavade Sanshopan Mandai, Dhule and the
Rishwantrao Devan Paliuswadi Mumbai.

(2)

मध्यहृष्टमन्तर्गामद्युत्तुष्टाल

पान्नमहृष्टमहृष्टापूजारिन्द्र

यमवीत्तमव्याप्तितावपूजाम

मध्यपैतीत्तमाधित्तित्तमग्न

द्युमन्तरित्तापुटेचापूजारित्तां

मद्यद्यत्तमरी

2 मग्नमध्यपैत्ताम्नारीपैत्तमरी

काम्रीमारीपारीम्भुत्तात्तम

चीप्तपारीपैत्तगुम्भेम्भरी

सीठाम्भम्भपारीपैत्तम्भरी

Salshodhan Mantra, Dhule and the Yeshwanti Chavari Pratishtheni
Digitized by srujanika@gmail.com

(8)

2

उमराष्ट्राचागुमनमतो
 नतुयाउलचुरिएगीप्र
 सुममन्मित्रदीप्तिशमधारे
 सनायराष्ट्रवर्णांधम
 नाईराष्ट्रवर्णांधम
 दउसकझारीकरुमवतिसु
 कुरुमनवधतमप्रमतगम्भृतम
 उमरीगारमीकरीज्ञाहीमव
 जेविताक्षरहरहूष्ट्राहीक्षण
 रुमंडी ————— इम्म

The Rajawade Sanskriti Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan,
 "Joint Project of the Sanskriti Mandal, Mumbai"

(4)

३ घट्याघट्यान्तर्यां रुदिता उपर्युक्ति
उपृष्ठाग्राणीना अस्ती महिमा प्रतिष्ठित
उगारेत्वा अस्ती इन्द्रां गारेत्वे विल
उपारेज्ञ रेती अमानती अतिनमासी
महिमया उपर्युक्ति पाही महिमा
उमहिमामी पाहेज्ञ उपारेमी
जपारी अस्ती उपर्युक्तु उपर्युक्ता
अस्ती रगी अवृत्तमान सद्यत महिमा
उद्यती भवी मद्यत दीक्षामो अर्थात्
नापूर्वक अभग्न उपारेज्ञ च ममत
उपृष्ठाग्नी उपृष्ठाग्नी नातव४८

Object of the Rajawade Sahodhan Mandal, Dhule and the Yashoda Chavhan Pratishthana, M.M.

~~द्युमणी~~

~~उम्मेल~~

४ दृढ़नभी प्रा॒ न॒ र॒ उ॒ ज॒ ग॒ द॒ व॒ ि॒ इ॒ न॒ ०

~~आरेली प्रा॒ न॒ र॒ उ॒ ज॒ ग॒ द॒ व॒ ि॒ इ॒ न॒ अता॒~~

~~दृष्टव्यी भग्नभज्ज्ञै इलभग्नण्वया॑~~

~~रै॒ उ॒ म॒ व॒ र॒ ए॒ तो॒ गा॒ रै॒ ल॒ रै॒ गा॒~~

~~का॒ तो॒ गा॒ दृ॒ घ॒ दू॒ धा॒ रा॒ ड॒ ब॒ रै॒ इ॒ भ॒ न॒~~

~~भै॒ दू॒ घ॒ ड॒ ब॒ रै॒ ल॒ च॒ रै॒ त॒ भै॒ य॒~~

~~गा॒ ए॒ तो॒ ग॒ र॒ उ॒ तो॒ गा॒ न॒ ग॒ ि॒ भ॒ न॒ र॒ ग॒~~

~~गा॒ ए॒ र॒ उ॒ ग॒ र॒ भ॒ ग॒ र॒ भ॒ र॒ भ॒ ग॒ र॒ भ॒ ग॒~~

~~उ॒ स॒ भ॒ न॒ र॒ भ॒ ग॒ र॒ भ॒ ग॒ र॒ भ॒ ग॒ र॒ भ॒ ग॒~~

~~रै॒ उ॒ ग॒ र॒ भ॒ ग॒ र॒ ए॒ तो॒ ग॒ रै॒ भ॒ ग॒ र॒ ए॒ ग॒~~

"Digitized by the Object of the Salunkwadi Sanskrit Mandal, Dhule and the Yashodra Chavas Pratishthana, Dhule, India"

(6)

रथीमध्ये वगापी अहत चौना

चीपे रहता अहम् गालत गापी इ

रथी सुन तेथे राहता हता तम प्रिना

वेपारी अही तप्पे हेतु लक्ष्मी प्रदत्त मही

ए मध्यमी अमजद चायदी ब्रीही ठिंग

गाजा ए राधा न ए दणी लवजरु

र आ ए गो न ची अरु री रो री शधुत

गी लक्ष्मी रु मु आयता लजद जवेई

र न अम्बङ्ग गाए लज्जा अनी अनंत

मेल्याउ उलझानी ए दृग गालव ए

द्याद धुम्भु उलझानी ए अना प्रभास

The Bajawade Sanskrut Mandal, Dhule and the Yogi Mantrao Deenan Prabhu Library, Mumbai.

अध्यस्थपारणी विजयरमभिषेध

मुख्यार्थकृपानिशेषात्

मषुतभाषीष्मनात्तममरीतम्

ঢীপেরো প্রতিনাম হল উৎসুকি মন্ত্র

યાજણાદ્વારા પ્રિયુષ ગાએ નામ
Sangodhan Mandal, Dule and the Yashwantra

ਅੰਮਰ ਮਤਨ ਮੁਗ ਪੁਟ ਝਾਟ ਏ ਜੀਸ

କବିତାରେ ମହାନାମାଦିଗାନ୍ଧିଜୀରୁ ପାଇଲା
ଯାହାରେ ମହାନାମାଦିଗାନ୍ଧିଜୀରୁ ପାଇଲା

~~अर्धीक्षरनी अर्दीमहिन्द्रीना~~

~~चल्लसुणीपृष्ठज्ञवपाहोउर्पार्ग~~

ਉਮਤਾਂ ਅਗਿ ਪਿਵ ਸੀ ਰਾਹਨਾ ਕੈਣੀ ਰਾਹਨ

~~गणमन रघुनाथी गायत्री पठी द्वितीय~~

(8)

सुलभद्यात्तरोऽवभूतीभष
उग्मनादगाप्तुरुपगाऽग्निराता
उठापमनीष्यतामनपमनीम
उत्तरधींमधीरगाप्तुरुपमन
मणीत्वेचाऽमधुरमधुर्जग्नये
तोदत्तावीष्प्रह्लीजमधीरुपम
रागेष्टुरुगाप्तुरुपमन
उमरीष्यत्तरोऽवभूतीसुलभ
अमनमिलमधुर्जग्नये
पाणीनप्तुरुगाप्तुरुपम
क्षेत्रीमवपाणीरुपमनीत्वेचाऽम

नं चोरी भवत देवे त्रिलक्षाम् उभयै
 अचोरी च मुद्यति द्युही द्वया भगत
 चं दी हृती चोरी भवत द्वया प्रगा उपमा
 त प्राणं गृह्यत वराना अजीक्षणम्
 द्वृता प्रया द्वया द्वया द्वया द्वया द्वया
 एतां द्वया द्वया द्वया द्वया द्वया
 द्वया द्वया द्वया द्वया द्वया द्वया
 पारी द्वया द्वया द्वया द्वया द्वया
 द्वया द्वया द्वया द्वया द्वया द्वया
 द्वया द्वया द्वया द्वया द्वया द्वया
 द्वया द्वया द्वया द्वया द्वया द्वया

"Joint Project of the Rajnadeo Sanskritan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chhatrapati Sanskritan Mandal, Mumbai."

(10)

योगारीहोमधृतेमाहमन्त्रेष्ट
क्षान्तुपित्तरेतीमुत्ताप्ताम्भलेणा
लसीर्वंगुजर्वचासपाद्यत्रित्त
वीष्णीतर्हदीजुम्भतेरक्ते
पाहम्भउम्भात्तिर्वद्यमरी इम्भे
मुम्भाचाहोदित्तमुनाध्यतीयं
तद्यत्तदेवेतीनाएम्भीम्भम्भ
दीयतीलवापाच्चत्तमीद्यत्तरं
द्यत्तद्यत्तमीद्यत्तमीनाएम्भात्त
उम्भद्वीप्यद्यत्तप्तामुम्भाचाहो
द्यत्तम्भद्यत्तम्भम्भम्भत्ताम्भद्यत्त
क्षम्भगारीप्यद्येतीम्भाम्भप्यद्यत्त

(ii)

٦

न अरीता मसीहि एहि हिता धम्मे धन
त ची गीप जाच न आय एहि राम
द अरीता धम्मे धन भी गीप हो
ह सुउ आर आर धणा मंडी धूंडि
लाहु द्युध चरी उ प्रधान आर आर
ती आद्य याउ छुझ उ दस्ता मध्य ता आर
व जास्त लाज आर यापी नाप मन
ठी मेम आर उ दुडी पाण्मन जो झीज
जिगी दिन धर्म दी उ दुझ दी गाई
स्त मध्य चरी उ प्रधान मसीह उ दुझ
उ राम चरी उ धक्षा आवती उ दस्त
आणी दय अज्ञिग उ दिता लाल गाप

जीर्णीहरेपारीज्ञनमति
 रेत्रीज्ञपत्रेगापत्रीज्ञतेहरणा
 रुमंदीरीष्टपात्रेगापत्रक्षेत्री
 चिदपोषचजरील्लिष्टपोष
 ताचमद्यतदेवंहरास्मीव
 वर्षपत्रिभृष्टपत्रेत्तेक्षण
 क्रोधायाउर्ध्वमन्त्रासीप्रमेयम
 राम्भदीर्णेत्तर्चीक्षमप्रतीष
 ममाचारीप्रतीप्रत्यक्षमत
 ज्ञेत्रीहेत्तुचेत्ताप्त्युद्धज्ञेत्रु
 तारीक्षुजमप्रतीष्ट प्रम
 ममेत्ताम्भापारीज्ञनमद्यतीष्ट

श्वेतचमकदिवीमन्त्रेन्दिष्मन्त्रे
 देवगमीर्जित्ताचरणांजगुरुष्टुरुष्ट
 यव्युत्तराक्षेन्द्रमन्त्रीन्द्रमन्त्र
 अम्बद्यमपारीम्बन्धीयोद्दित्तमन्त्र
 गारचीचाहनीउक्तेन्द्रमन्त्रमन्त्र
 चैमगद्येष्टपात्राणेष्टलैक्षण्या
 घपाच्युद्दित्ताराष्ट्रपुम्पमीम्बद्यम
 लगाएपिगाल्लुद्दिव्यंद्विगता
 रष्ट्रियारेचोत्तरीरग्नुरुष्ट्रम्बद्यम
 इम्बद्यित्ताष्ट्रियुल्लंगीचाउडियम्ब
 नम्बद्यन्देवमद्यत्तिम्बद्यत्तिम्ब
 नम्बद्यन्देवमद्यत्तिम्बद्यत्तिम्ब

Joint Project of Sanskrit Mandal, Dhule and the Lashwanti Dev Navayana Press
 Mumbai

~~धरुमीष्यतीज्ज्ञानीदातोमाणी~~

~~मन्महोंधरुमीदापाणरामान्ध~~

~~उठेतारीकेंवुमललगालए~~

~~रुचारीद्युपाजिमर्दीर्थीक्षणामर्दी~~

~~द्रम्भ~~

१० ~~ज्ञानीपद्मार्जिनीझारीदीक्षाक्षील~~

~~च्छाक्षर्हितिवृष्टगादुष्टपा~~

~~उत्तेन्देवुमलकरीस्त्रीपुढे~~

~~गादुगार्हित्यपोहउत्तरीर्खारी~~

~~स्त्रीदिघामलेत्यात्पोहचरीत~~

~~मरीर्जिचझारीयसीतझवडी~~

~~रामात्तुरुषेत्तुरुषमलेत्तमन्ध~~

*"Jointly issued by
Saswade Sansodhan Mandal, Dhule and the
Yashwant Charitable
Trust, Mumbai."*

~~पारदर्शक एवं निराकारी विषयों पर उपर्युक्त~~

~~तीतमेचक्षुमधरेश्वानतीन्द्रियानि~~

~~ਤੁਹਾਨ ਯੇ ਬਹੁਮੀ ਪ੍ਰਭ ਜਾਣ ਗੀ ਪ੍ਰਭ ਤੁਹਾਨ~~

ଶିଖିଷ୍ଟାଭବପ୍ରେସ୍ ଲିମାଇନ୍

अद्यता द्वारा पारंगत्यागी दृष्टितन्त्र

ପାର୍ଵତୀମାତ୍ର ପାର୍ଵତୀମାତ୍ର

प्रातिष्ठानि द्वयोऽस्मै राजा विश्वामित्र

७९ पारीजन्मीमुद्दमचीर्थिधरीग्रनाच
Joint Project No. 79, Member No. 108

ଉପାଦାନପ୍ରତିଷ୍ଠାନରେ କାହାରେ କାହାରୁ

मुग्धप्रदेहज्ञानीयहसोधर्ष

ନିମ୍ରପେଣାଦ୍ୟାପ୍ରିପ୍ତ୍ୟାବ୍ୟକ୍ଷତିଲମ୍ବ

एठेमरीताग्रीद्युमरीक्षीपाद

(१८)

पेत्रीमुउआय्यमध्याङ्गतपंगारा
 मण्डपमध्यर्पित्तापारीक्षणीन
 वीतध्यमुउआय्यरानेमध्यमध्यांगु
 रविमध्यमध्यायाउविमध्यांगतपंग
 नाचीरड्यांगपिगाउमगमपारेमी
 तीमंधरतीद्युग्याचीद्युक्तमरा
 चीद्युक्तीचीमंगलाउमिक्तमंग
 ६२ वहज्जिन्दियकामपुरुषजिरग्
 मेमधेल्लेपुंगारक्तमवतमंदी
 रेमीद्युतत्त्वार्चीद्युमंगारी
 एजयमेमेत्तास्तरीत्ताद्युमंगारी
 अरनीद्युमीमाड्युमीद्युमारीत्ती
 दीरीत्तामेमुद्युमीद्युमारीत्तीम

(1+)

e

मुक्ते वीरदीप्यादुषीता अभेषं धो
लवी रूपजी मनारी क्षय अवृत्ती प
चम्प एष्मान् पाद्यं दण्डित धर्त
मव ग्रन्ति ताद्याद्यमेता अवरान् गृह
जरी इम

१३ पार्श्वी मुउ अर्चि दिघा उमव
ता-उमा नामा डेहिगापक उम्बु
याहलु मुद्दिवली वृद्ध यम्बल
स्त्रामेतवन् आम्बिहेत भायी उम्बु
रज्जु इर्जी उर्जी रवपक उम्बु अय
द्विघा क्षेत्री मुद्दिवली पाहली
पार्श्वी मुउ रज्जी इर्जी तेरक्के

चीर्षम्बीतीयेताएतेऽदिवज्ञोप्र
 णीष्मीतीज्ञासीद्वाद्वायेष्टते
 तय्याज्ञातिनेऽदिताएतम्भाला
 यस्मिंपारवेष्टने इत्यम्

१४ अमोक्षारुहमाएद्वमगारम्भी
 नेष्मीपाद्येष्मिष्मम्भम्भेष्म
 चाग्नातंडीज्ञातीद्वयीग्राम्भृत्य
 उद्याउद्युक्तुहतम्भेष्टितिहिष्ट
 राम्भरसीद्वीगाजन्म्भेष्टिम्भ
 नेष्मित्यपारीज्ञात्युग्नंगात्मवद्वद्व
 द्वम्भम्भरीतम्भेष्टिन्म्भम्भपारव्वेष्ट
 द्वम्भम्भरीतम्भेष्टिन्म्भम्भपारव्वेष्ट

ग षु द्वा मात्री त्री ख पर एक जिक्कु

स्याघरे द्वृती मन्त्र सामान्या लूत है

४५ गीयत्री यज्ञो ज्ञाम

७२ वृद्धि जीवनी यज्ञो व्रश्चार्षी य

हत्या तीर चारी चाह आवधान

सुख उल्लङ्घन यज्ञो व्रश्चार्षी यज्ञी

द्वावर्णी नारिआ तु धु अहती य

४४ श

७६ यारी और घट्टगाल तव इमावर

तस्तु यत्यय यज्ञो यज्ञी यज्ञी सनी

चालहरि यहत्री लवण् पारी और

यें घमेता गर्व लपी यज्ञी पारी और

"Joint Project of the Rajawade Sanskrit Mandal, Dhule and the Janantrao Tavare Parivar Foundation Mumbai"

उंगम्मेहाद्यनममध्येष्टिष्ठ

पावीक्षण्डनापंपावीक्षण्डना

तर्चीतान्तर्णाभपावेन्द्रिष्य

राधम्भसाउपावीक्षण्डन्द्वाष

द्विष्टुविन्दुविन्दुविन्दुविन्दु

द्विष्टुविन्दुविन्दुविन्दुविन्दु

१९ राजीवचूपजामाणाराध्नद्वेष

लचीचाक्षुषीचूपक्षुषीचापील

चीवक्षनीपुष्टाद्वीपार्गीचीचाप

जीमाण्पुष्टुवीक्षनीयंडीअन

तर्चाक्षुषीचाग्निक्षुषी

२६ वलीष्टित्युक्तोर्मीष्टित्युक्ति

ताक्ष्यसीहुत्युक्तीर्मीष्टित्युक्ति



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com